भाकृअनुप
ICAR

पोषक तत्व उपयोग दक्षता के लिए
उन्नत खरपतवार प्रबंधन

खरपतवार हटाएं - पोषक तत्व बचाएं -फसल उत्पादन बढ़ाएं

खरपतवार क्यों नुकसानदेह है?

- खरपतवार फसल के साथ पोषक तत्व, पानी, प्रकाश और स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P), पोटाश (K) जैसे पोषक तत्वों की उपलब्धता घटाते हैं।
- जल का अधिक उपयोग करते हैं, जिससे फसल को कम मिलता हैं।
- कीटों और रोगों के आश्रय स्थल का कार्य करते हैं।
- उपज और गुणवता में कमी लाते हैं।

खरपतवार युक्त खेत बनाम खरपतवार युक्त खेत

खरपतवार युक्त खेत
- पोषक तत्वों की अधिक हानि
- फसल की वृद्धि कमजोर
- उपज कम
- लागत अधिक, लाभ कम

खरपतवार मुक्त खेत
- पोषक तत्वों का कुशल उपयोग
- फसल की वृद्धि बेहतर
- उपज अधिक
- लागत कम, लाभ अधिक

एकीकृत खरपतवार प्रबंधन (IWM) के उपाय

1. सस्य विधि

- स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करें
- उचित समय पर बुवाई करें।
- फसल चक्र अपनाएं।
- अधिक बीज दर और उचित कतार दूरी रखें।

2. यांत्रिक विधि

- समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें।
- खुर्पी, कोदाली, निराई यंत्र का उपयोग करें।
- शुरुआती अवस्था में खरपतवार नियंत्रण करें।

3. जैविक विधि

- हैंचा, सनहेम्प जैसी हरी खाद फसलें उगाएं।
- जैविक मल्च (अवशेष) का उपयोग करें।
- जैविक नियंत्रण एजेंटों का संवर्धन करें।

4. रासायनिक विधि

- आवश्यकता अनुसार और सही समय पर शाकनाशी का उपयोग करें।
- सही मात्रा और सही विधि का पालन करें।
- चयनात्मक शाकनाशियों का प्रयोग करें।

5. एकीकृत दृष्टिकोण

- उपरोक्त सभी उपायों का समन्वित उपयोग करें।
- खेत और फसल की स्थिति के अनुसार उचित उपाय अपनाएं।

खरपतवार प्रबंधन के लाभ

पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग

उपज और गुणवता में वृद्धि

जल का कुशल उपयोग

उत्पादन लागत में कमी

मृदा स्वास्थ्य में सुधार

पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि

समय पर खरपतवार नियंत्रण, पोषक तत्वों का पूर्ण उपयोग!

स्वस्थ मृदा, समृद्ध फसल, खुशहाल किसान!

प्रस्तुतकर्ता: सुरभि होता, जीतेन्द्र कुमार सोनी एवं पी.के. सिंह

भा.कृ.अनु.प.- खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर (म.प्र.)